**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय  
रक्षा विभाग**

**राज्य सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 1456**

**01 जनवरी, 2018 को उत्तर के लिए**

**सशस्त्र बलों के लिए निजी क्षेत्र द्वारा विनिर्मित गोलाबारूद**

**1456. श्री राम कुमार कश्यप :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(**क**) **सशस्त्र बलों के लिए निजी क्षेत्र द्वारा उसके लिए इस क्षेत्र को खोले जाने के पश्चात् से कितने प्रतिशत गोलाबारूद का विनिर्माण किया गया है** ;

(**ख**) **भारतीय सेना को उपलब्ध कराए गए स्वदेशी तथा आयातित गोलाबारूद का अलग-अलग ब्यौरा क्या है** ;

(**ग**) **क्या सरकार भारतीय सेना को आपूर्ति किए जाने वाले अधिकांश गोलाबारूद का विनिर्माण देश में करने का विचार/मंशा रखती है** ; **और**

(**घ**) **यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके परिणामस्वरूप कितनी अनुमानित धनराशि के बचने की संभावना है** ?

**उत्तर  
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. सुभाष भामरे)**

(क) और (ख): भारतीय सेना के लिए अधिकांश गोला-बारूद, घरेलू रूप से, मुख्यतः आयुध निर्माणी बोर्ड (ओएफबी), सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से अधिप्राप्त किया जाता है । औसतन, लगभग दो-तिहाई गोला-बारूद स्वदेशी रूप से और शेष आयातों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है । वर्तमान में, भारतीय निजी उद्योग केवल कच्चे माल और गोला-बारूद के कुछ अवयवों की आपूर्ति करता है और उन्होंने अभी तक पूर्ण गोला-बारूद उत्पाद विनिर्मित नहीं किए हैं । अब तक, वर्तमान में सरकार ने भारतीय उद्योग द्वारा भारतीय सेना के लिए आठ प्रकार के गोला-बारूद विनिर्मित करने हेतु एक प्रस्ताव का अनुमोदन किया है ।

(ग) और (घ): अधिकांश गोला-बारूद पहले ही देश के भीतर उपलब्ध स्रोतों से अधिप्राप्त किया जा रहा है ।

\*\*\*\*\*